Hari Bhoomi 27 june 2012

पाठशाला | गांव ललितखेड़ा में कीट साक्षर खेत पाठशाला में महिलाओं की ट्रेनिंग शुरू

कीटों को पहचानेंगी महिलाएं

हरिभूमि न्यूज. जींद

जींद। गांव ललितखेड़ा में कीट साक्षर खेत पाठशाला में बुधवार को विधिवत रूप से नरमा के खेत में महिलाओं की कीट पहचान की ट्रेनिंग शुरू हो गई है। बुधवार को गांव ललिताखेड़ा, निडाना, भैरोखेड़ा व ईगराह की महिलाओं ने भाग लिया। ट्रेनिंग में शामिल होने वाली सभी महिलाएं औसत रूप से बहुत कम पढ़ी लिखी हैं, लेकिन कीट तंत्र में रूची रखती हैं। महिलाएं लगभग पांच माह तक ट्रेनिंग लेंगी।

कीट साक्षरता खेत पाठशाला के लिए गांव ललितखेड़ा निवासी पूनम मलिक के खेत का चयन किया गया है। कृषि विभाग के कृषि विकास अधिकारी डा. सुरेंद्र दलाल महिलाओं को कीटों के बारे में जानकारी उपलब्ध करवाएंगे। इससे पूर्व डॉ. सुरेंद्र दलाल गांव निडाना, रामराये, रूपगढ़, ईगराह में किसानों को कीटों की पहचान तथा बिना कीट नाशक के फसलों को पैदा करने की सफलतापूर्वक ट्रेनिंग दे चुके हैं। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के क्षेत्रीय अध्ययन केंद्र करनाल से डॉ. सरोज जयपाल भी कीट साक्षर खेत पाठशाला में महिलाओं को कीटों के बारे में जानकारी देंगी। कीट साक्षरता खेत पाठशाला में महिलाएं यह जानने की कोशिश करेंगी की किसान मित्र कीट कौन से हैं और फसलों को नुकसान पहुंचाने वाले कीट कौन से हैं। कीट तंत्र के पारिस्थितिक जीवन चक्र के बारे में जानकारी हासिल करेंगी। कृषि विकास अधिकारी डॉ. सुरेंद्र सिंह दलाल ने बताया किमहिलाओं को पांच महीने तक ट्रेनिंग दी जाएगी। ट्रेनिंग के लिए करनाल से कीट विशेषज्ञा डॉ. सरोज जयपाल को भी बुलाया गया है।

जींद। कीटों के बारे में जानकारी लेती महिलाएं।

28 june 2012 Hari Bhoomi

खेतीबाड़ी में प्रयोग हो रहे रसायनों से पर्यावरण पर पड़ता है प्रभाव

कीटनाशकों के खिलाफ मोर्चा

23 अक्टूबर तक निडाना में हर मंगलवार को जुटेंगे खाप चौधरी। हर खाप का चौधरी रखेगा कीटनाशकों पर अपने विचार। उसके बाद आयोजित होगी खापों की महापंचायत।

रातेंद्र पंडित. जींद

जींद। निडाना में सर्व जाव सर्व खाप पंचायत को संबोधित करते बराह कलां बारह तपा के प्रधान कुलदीप सिंह ढांडा। (दाएं) खाप प्रतिनिधियों ने कीटों के बारे में जानकारी ली।

गांव निडाना कीट साक्षरता केंद्र में कीट नाशकों पर मंगलवार को आयोजित सर्व जातिय सर्व खाप महापंचायत में जुटे खाप चौधरियों ने कीट नाशकों के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए जंग का ऐलान कर दिया है। खेती बाड़ी में प्रयोग किए जा रहे रसायनों से पर्यावरण तथा जीव जन्तुओं और मानव जीवन पर पड़ने वाले प्रभावों के बारे में खुलकर चर्चा हुई। पर्यावरण तथा स्वास्थ्य को लेकर आयोजित खाप महापंचायत किसी चौपाल या चबुतरे पर न होकर नरमा के खेत में हुई।

आयोजन स्थल की भी खासियत यह रही कि उस खेत में फसल पर किसी प्रकार का रसायन नहीं छिड़का गया था। पंचायत में गंभीरता से मंथन हुआ कि कीटनाशकों का प्रयोग किस प्रकार से रोका जाए। खाप चौधरियों ने एक रूपरेखा भी तैयार की है। जिसके मुताबिक खरीफ फसल के सीजन में हर मंगलवार को गांव निडाना के खेतों में खाप मुखिया जुटेंगे। यह सिलसिला 23 अक्तूबर तक लगातार जारी रहेगा। हर सप्ताह एक खाप गांव निडाना कीट साक्षरता पाठशाला केंद्र में पहुंचेगी और कीटनाशक निरोधक मुद्दे पर गंभीरता से विचार विमर्श करेगी।

सर्वजातिय सर्वखाप महा पंचायत हरियाणा के आह्वान पर मंगलवार को किसानों व कृषि कीटों के बीच चली आ रही दुश्मनी को खत्म करने और दोनों पक्षों के बीच समझौता करवाने के लिए गांव निडाना के किसान जोगेंद्र सिंह के खेत पर आयोजित की गई।

सर्वजातिय सर्वखाप महापंचायत के संयोजक कुलदीप सिंह ढांडा ने कहा कि कीटनाशकों के अंधाधुंध प्रयोग से पर्यावरण, स्वास्थ्य, जीव जन्तुओं पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है। कैंसर, अंधता, बांझपन जैसी खतरनाक बीमारियां फैल रही हैं।

- **खाप महापंचायत चौपाल पर न होकर खेत में हुई**
- **कीटनाशकों की बढ़ती खपत पर जताई चिंता**

कीटनाशक वाली कंपनियां किसानों के साथ धोखा कर रही हैं, हर साल कीटनाशकों की खपत बढ़ती जा रही है। लगभग 40-50 साल पहले रसायन खाद व कीटनाशक दवा कंपनियां चोरी छुपे खेतों में डालती थी। अब यही कंपनियां जमकर चांदी कूट रहीं है और इन पर लगाम कसने वाला कोई नहीं है। वातावरण ही नहीं खान पान भी जहरीला हो चुका है। पशु पक्षी मारे जा रहे हैं। नरमा फसल के दौरान अनहोनी घटनाओं में बढ़ोत्तरी हो जाती है। फिर भी कृषि विभाग हाथ पर हाथ धरे बैठे हुआ है। उन्होंने साफ कहा कि खाप पंचायतें अब लंबे समय तक यह सब नहीं चलने देंगी।

उन्होंने आह्वान किया कि यह तभी संभव है जब खाप पंचायतें लामबंद होकर ठोस निर्णय लेंगी। कंडेला खाप के प्रधान टेकराम कंडेला ने कहा कि गांव निडाना के 80 प्रतिशत किसान बिना कीटनाशक का प्रयोग किए अच्छी पैदावार ले रहे हैं। तो दूसरे किसानों को भी कीटनाशकों के प्रयोग से बचना चाहिए। पंचायत में निर्णय लिया गया कि हर मंगलवार को खापों के चौधरी गांव निडाना पहुंचेंगे और कीटनाशकों के दुष्प्रभाव पर मंथन करेंगे। दाढ़न खाप के देवासिंह ने कहा कि खाप प्रतिनिधि आज यह संदेश ले जाकर वे किसानों को कीटनाशकों का प्रयोग न करें।

इसके लिए चौपाल, हवेली, हर बैठक स्थल पर इसकी चर्चा जरूर करेंगे। ताकि लोग कीटनाशकों के बुरे प्रभाव के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकें। इस अवसर पर बराहकलां बारह के कुलदीप सिंह, नरवाना खाप के अमृतलाल चौपड़ा व नौगामा खाप कुलदीप सिंह रामराय, कालवा बारह तपा के महावीर सिंह, सर्वजातिय सर्वखाप महापंचायत महिला विंग की प्रदेशाध्यक्ष संतोष दहिया, दूल खाप के इंद्र सिंह दूल सहित कई खाप प्रतिनिधियों ने विचार रखे।